ठासनीसोर: सार्‍व ग्नुद्धमद: धर्म: याको धर्मक
र्म उत्वी जक सार्‍दु ॥ यमयागु भयेकया: धर्मक
र्मवीचाय [illegible] तु धर्म यात धासाउ
लिजका [illegible] ॥न [illegible] यत तहाका जय
मतेयोयो: पार्‍न [illegible] कोस्रोयातचो
वछ: ॥ वुद्धावुद्ध [illegible] ड: धर्मकर्म नुम
नीव: लिपत सः मनपछु ता [illegible] भाल ट ॥ नगा
॥२॥ विसर्या वरवते: धर्मकर्मयात सा: वुद्धाया
गुव [illegible] ल्लाइ दे ॥ दवयायासनं लाहा
यवस [illegible] ी: सुखावात: वास लाडे
न ॥३॥

भगवान बुद्धयाके आर्सि कोफोनागु

ॐ नमो रत्नत्रयाय जगत याछुलपोल सहाय ॥१॥
बोधीचीत नत्रीरात्र: ॥ मदपीत दैमा बोधि स्नान
॥२॥ दयालोर्न फुनानल ने मा: ॥ युगलानुभ
रुवैवैद नयेमा ॥३॥ महार्मजुश्रीवीर्र गुदिला
नसगु: ॥ समंतभद्र वसपोलं सयेकातवगु ॥४॥
वसपोलं गुरुपोनिगु: ॥ न्युन्यु जिनं सं कैगु ॥५॥

2781

आसोका ओ.

थुगुपुण्यनं पूर्णजुयेमा ॥ जगतप्राणी सकलेंउ
ध्दारजुयेमा ॥ ६ ॥

बोधिसत्व सर्वार्थसीद्ध याजन्म:
धमरीकहस्वा

न्यवभक्व वोधीसत्व प्रगत जुल ॥ सर्वार्थसीद्ध:
धायेकावंज्यातरे ॥ ध्रु ॥ लैवीनी वरासीमाया दे
वी वोज्यात सकेलसवी सहीतरे ॥ ङ.ग ॥ १ ॥
धेला ई [illegible] नस्वज्वनाचोन ॥ सीमा कचोंन
मस्कार य [illegible] रे ॥ ङ.व ॥ २ ॥ जव शुवाहुनं
सीमाकचो ज्वनातुल ॥ आसन पले ध्यान दुत ॥
ङ.व ॥ ३ ॥ पातनरवे फुयाव [illegible] खें नानाकीर्ति
पल ॥ आसनपले ध्यान द [illegible] ॥ ङ.व ॥ ४ ॥ याम
धीसापती हु हें पला [illegible] च ॥ देवयादासनं
भूलो घानाधे [illegible]

ओं.
पा यत उरो छापे ला वा ओं दे य वो चौ पा मो [illegible]

पा या ग रो ऽपा पे ला वो ओंस्यां रो या वो पौ पा पो ... वा
पा पा पा ... पा ला ग ... मो ये गा या पे हो पु पु (४)
मा मा यु सा मो [illegible] सा मा या॥ ६
मे व प्रां ये ज न मी ह नें [illegible] मतो तो: त्यें नु उ
॥ धुं ॥ मे व या गु प्रा ण म [illegible] मी स ङ्गो नें द म ख॥
सी क सी कैं न र के न ने गु का स्य भो तं या म खु ॥ मे
॥ १ ॥ मी स न य गु लो भ द न लें पा प गु व्य लें यु ईं म
खु ॥ पा प [illegible] य द न ले म को गु व्य ली जु ईं म खु॥
मे:॥ २ ॥ [illegible] हु ल मु ल नें न व्यु गु भो त प्रभु नें
य को हुः॥ मा स नें नें ज्ञा व्यु गु सा ख सा छो हुँ म दु
मः॥ ३ ॥ श्री नी व्यु गु वैं गू शु द: सा भू त्तो या गु नें
म ख:॥ पा त्र स्प चौं गु दैं न से स्यो हे स त्य सा छो
भो गु खः॥ मे ॥ ४ ॥ व्या घ्र स्वा न जी तु पी त ल मि नें
न भा: गु जौं॥ दे ये का व्यु गु व्या गु स्प चौं गु दै न
प को सो लु स्पो:॥ मे॥ ५ ॥

लार्ड एलबर्ट भवरोमें आज धुमधामसे स गाई होर
होहे

Lalmansing

राग २

Jawhar Asram

रामभजन नकर जनाजे या राम भजन न करोगेना ॥ मै
नवी लो जाये मनके अ॰ प्र॰ राम हमारीयो तुलथ
ओहेरउ उनी यार राम भजनके [illegible] ॥१॥
नजराके वीचसोभो तो नारायन तु न याना [illegible]
याराम भजनको करेना ॥ २॥ आगे वीरवामीना
आइ अचु मेरा रामको हरि भजोगा जियाराम
भजनको [illegible] है ॥

Nepal

राग नीगुरा [illegible] गुमानकरि नारियन यकदीन
माती मे मीलो जाना ॥ काये ॥ टेर ॥ माती वनना
माती वीछाउना माती करले सोरा राग माती से
माती मे मीलोजाना ॥ [illegible] ॥१॥ माती खवनाख
नो महल आवनायासो [illegible] मरा ॥ प्रानपुरु
स सवनी [illegible] यारे तेरा नीमरा ॥
काहे ॥ २ ॥ वदीया कीनार मे धुँवा उरते हे देखन
हे संसार ॥ वैयनसरी का वकरी जलाये खने सु

तोका काये ॥ काहे ॥ ३ ॥ जुठो माया भुठो काया

हरसारे॥ वचनसार किशनकरी जलोये स्वने सु

रोका कोये ॥ कोहे ॥ ३ ॥ झुठो माया झुठो काया
झुठा है संसारा ॥ झुठासे सब जगहू बनाये झुठा ख
हू उगाया ॥ कोहे ॥ ४ [illegible] के दुगा बेता हूमारा व
हून कहे बडे भाई ॥ [illegible] खसम हूमारो
झुठाना ताल गाया ॥ कोहे [illegible] ॥ याधन जो अन
गगधो के पारो भोजो गया हूमजानो ॥

॥ कोहे ॥

॥ ६ ॥ रामन[illegible] के लुतपारी है जो चाहे सब लुटो भी
त काल म[illegible] छु नावे प्रान जायेगा छुता ॥ कोहे ॥
॥ ७ ॥

॥ रा. नरा. सार. ॥ ॥ तननी तनधेरे नात छम
द्रोम तननी तनधेरे नी ॥ धुं ॥ तानु धेरे नातिन
धे दे त धे दे दारा द्रोम तन नन न नन ३ ता
नेरे ताना नी तान न तेन नेरे तेन तित नत धि दि
रा द्रो म तननी तन धे दे [illegible] नारे ताना रे ना
द्रोम ताद्री तानी तनेत द्रोम नी धननन
नन[illegible]न चोनी दोल २ धूनी गन नदेरे धारी
द्रोम तननी तनधेदे नी २ तानु

श्री

[illegible]

रागः मालश्री ॥ ॥जगत जननी अघुर खण्डनी ज
ध्यानंदायिनी हे भवानी ॥ ध्रु ॥सकल घट चली का
नहरुपी बाल वृद्ध जवान रुपी ॥ बोबी बोह्र
कलाये हप नित्ये भुपमहो ॥ नैपमानी ॥ १॥ [illegible]

Latmansing Yrangakar
Yseltol Masangalli

राग तोल कामोद ताल श्री ताला ॥ ॥नारुभ
रनके सैं गा मननी अरु दगार चलतं मो
सैं करत रतिय धो ॥ ध्रु ॥ ऐसो चंचलतन
करत छुत मानत ताहि ॥ दगार चलत मो सैं रो
कत तो कत ॥ नोर ॥ १॥ मे जमुना जल भर
न जात रहि ॥ बीच में बर कहै आ
॥दगार चलत मो सैं ॥ कृष्णतनी

Latmansing Yrangakar

राग ॥ ॥ दोला भला भला फेरा जग

रागनीगरा॥ ॥दोला भुला भुला फीरै जग मे ऐसा हैना ना जगत मे ऐसा हैना थ जग ॥ धेर॥ माता कहे या पुत्र हमारा बाफ कहे सुत मेरा॥ बहेन कहे या भै आहमारा त्रीया कहे जोडा मेरा॥ जगत मे ऐ॥ १॥ जब नक जीवे मातारोवे वहेन रोवे हो मास॥ तिरीयारोवे तिन दीवसी॥ छे फीर करे घर वासा॥ जग॥ २॥ हाड जले जैसा लकडी जैसा केस जले खरवासा॥ सुंदर येहे जलने लागा कोहि नही मेरी पासा॥ जग॥ ३॥ बैठे तिरीया लोक कर तेहे जोडा मेरा बीछड भै॥ कहे कबीर सुनो भाई साधु जिन जोडा कहे तिन तोडा॥ जग॥ ४॥

राग

जैगोवीधरा खोसरूं न आवतो जिवरा हारा आवतो जि॥ धेर॥ नारायेन हे सुगयसो धुके की नार॥ सीधुबी च बसत गोई करण घरपछारे॥ हेगो॥ १॥ चार प्रहर युद्ध भये

ले गयो मजधार ।। नाखकान देवन्न आग्या कोइन को पुकारा ।।हेगौ ।। २ ।। द्वारीका मे सब्द सुनो गरुयके सवारी ।। ग्राह्क को मारकरी गजराजको उतारी ।।जैगो ।। ३ ।।

To Sahu Chiki maya
Janka Jearnee
Katmandu

राग

कटी माया जन्मा गर्छौ त्यानै छैन साठै मा कोती मा ।।धुर ।।हरीचरणची न सजाहा ख तो मै मनमा ।। गर जगुमान आखीर रहनै छैन नरमा ।। कति ।। १ ।।मारुरी लेजन्मा गर्ल्यो धेर मह्खलमा ।।अ हर आउन्लु तिल्ले ग्यो हेर खाली गरी घरमा ।।कति ।। २ ।। धेरी पस्ट घुमी फीरी आजो यहीचो ला मा ।। कतिजन्मा गरीत्यस्मा आयेबु झ्योल मा ।। कति ।। ३ ।। धन जन मोह को कोन हुंछ वस मा ।। सपनामा देखेजस्तो हुने छ नो आखीर मा ।। कति ।। ४ ।।

कति ॥ ४ ॥

श्री

राग नय्का ॥ ॥ छं शृंजिगृ धारतोनं गेठ मेबं ग्रोलोर
ज्यान ॥ धुं ॥ सुईटं जिनं कनामयुः मेवं खंक ज्ञायाम
दृ ॥ पिनेसक शिनं जीतः भंस्वा याँना तलोरे ज्यान ॥
छंगृ ॥ १ ॥ छं हुं जिनं स्वना जुलः च्छिवाकाल बलजू
रुः ॥ छिंमि मामबुबां जीतज्ञाना पूउक स्वतरज्यान ॥
॥ छंगृ ॥ २ ॥ ओरपीह्वावांगां पाःसां पसं स्वनं जिन
केंकाहलः ॥ हानं जिगु स्वाल स्वया मुसु मूउसु
छ्लीलरे ज्यानः ॥ छंगृ ॥ ३ ॥ मूलु स्वां ङाय मतं क
बलु स्वां ङामरः ॥ नाम कया सेत मत मूलु पूयास
तरिज्यान ॥ छं सृजगु ॥ ४ ॥

राग भजन ॥ ॥ मैने द्वारा अपने श्याम राजा तोरा
लोयि ॥ धु ॥ भाई बो छोडा बे धुबोद्वारा ॥ छा
हा अूने श्रइः ॥ राजा तेरा लोयि ॥ १ ॥ भाईवां
छोद ज्यानीं अबोल बहार ॥ छा तोजडान मा
गेर ॥ २ ॥

श्री

राग तर्का होली ताल धेको ॥ ॥सा:रीयारादे
या मोपें रंगकी घघडा ॥ धूं ॥ बीनारंगडार न
मानूं गी ॥ धारकदेः बीनु भाः गैनातू ॥सा॥ १॥

राग ताल चौताल॥ ॥घरजानदे छांद
मोरे मैं आ॥ धूं ॥घर होंहों कर तुर हो पें आपर
तूर हो॥ मोह्नक्यों दुखदे आ॥ घर॥ १॥ घर अ
गर घगर तुम लोक वाजतु है ॥ जाजार बूजैने
आः ओ जाओजा तुम खा आजा खां लीया मोह्न

राग सारंग॥ नीसा मग मधगमन गरमग पमपध
पमपमगर गरसा नीसा नी धपमगर नीसा॥ धूं॥
गमपसानीसार सानीधप मपघ ग सानीधप मपधनी
मपधग नीधपमगर॥ नीसा॥ १॥

राग तर्का होली॥ ॥गोरीयार मैं जो भनवाकी
मतीगोरीयार॥ धुं ॥खलत रहो मैं अपनेलरके
या सबसरवीयनमें उघरी॥ जबछतीयानापर उठ
तनी जो भनवा भै आलाला भैं आपको वेगीखिल
चलोजावरगवारी ३॥ गोरीयार ॥ १॥ आभैये

श्यो प्रभु आ आ ॥ घर॥ २॥

चलाजावर गवरी ३ ॥ गोरीयार ॥ १ ॥ आरभये

नूग बांजलावरी भंगमनक तयारी ॥ आगे आगे
मोहे सैंआ चलतुहे पीछें दोलीया हमारी बादोहा
कजानबाचारी ॥ २ ॥

राग भूपाली ताल श्री ताल ॥ ॥ अब मोरी श्री
कृष्णचंद्र बाहा बाजे अ ॥ धुरँ ॥ सब सखी
पानामोली गायेबजाहये २ ॥ ताहाल मोरी
ढेंडूंढू धूउम मचाहाये सदारंग मोहमद
सा कोवर्या सुनाहाये गाहाये ॥ अबमोरी श्री
॥ १ ॥ धुन अबमोरी श्री कृष्णचंद्र बाहावा आजे

राग खम्बाज ताल तीनताल ॥ ॥ हिरा बाल
चंदा मुख तारे हैं माई हीरा ॥ धुरँ ॥ सरस
ताहार रतनजरल को तखत बनाई ताहाप
र बैठे मोहमदसा बहादुर बादसा हे हे हे हे
करनज सन माई हीरा लाल ॥ १ ॥ अज बछ
न कालीगर बनाये सोजनना को श्री नामोली मा
नोब गुनेगंध रब मोती मे नल गाये २ ताहापर

श्री

वैठे माह मदसा मुख दर सन पर सन हीरा जाल पी-
-या मुखता आर हे माई ॥ २ ॥ ॥

राग खम्माज तीनताल ॥ ॥ स्याम बाआई स-
रंग में बोल रहो मोरी अंगी या आ उ को धुर को
ई ई ई स्याम आ आ आ आ ई स रंग में बोल र-
हो ॥ ॥ सें जोरी जोरी सब मी हुत होरी है
वे बेजार है है अ हो ई ई ॥ में जानु ये बात छोपे गी
बात रहे सब घर घर कोई चो यो स रंग में बोल र
हो स्याम बा आ ई स रंग में बोल रहो ॥ १ ॥

राग खम्माज रूपताल ॥ ॥ रतीया बेरन भई अमी-
रती मा कजना आपात मारी अंचर गयो दर्द
पीया बो ई यो रनु के ईसें रतीया ॥ ॥ छीन छीन
ताके जोर दुखत नैन छीन छीन ताके जोउ दुख
त नैन ॥ माहे यो यो अब सुरत ह वहो पी
पा बो ई यो यो नु के ई ई सें रतीया ॥ १ ॥ पलना

झासेदाखाबे·मोभा· उरेकुबजा झासें·कहिपाजा·
२ हरि·हरिपार·केसें धर्हे धीईर·हरिहरि·केसें
धर्हे धीईर·मोरितोसैनन·झाज·तोदिअगया·द्यो·
बाईतु केसे धा·रतो या·बैरतनझ्यागा २॥

{ — राजकुमार·बोधवीर·थाल्वो·राती· — }
{ — मन्दार·थागु·थाहूा·अथावा·म — }

{राग·भैरवी·ताल·चौचर·}

प्रियतम·पतीयागु·नित्य पूजा·तयत·फूलजलबा
या·पत्र·पूभाया·बोंति॥ सुरलोत·पतयागु·दोवस्व
भावसबाव॥प्रतीदिनथ्वत·वगु·सुप्रभातेंथ्वताव॥
गङानस·ससी·तारा·होनकोनो·जुरखोलो॥नोरम
लरबीया·ज्यातीपुव·वस्थलो॥तनथानोह्म·पोयार·
पुरासालॉं·नमाव॥थोथेन तिलवया·गु·नितयाथी·
दनाव॥ मधुर मधुर·सर्दं पैछीतेयागु·यागुगीत॥
ऋतुतु·अमारदी झागुस्व·ताल·बाईतगासुर·पुसम
स्वभाप्रापु सू सू थ्वजनी ड्डःलन॥थानजुबो उवरस्थते·स्वा·

स्वा·मी आफ्नो रम्य मङ्गल ॥ भूगगन मनमानी· नातीजीला
सनथी· ॥वतपना गजहरी मक्ह· ज जानापनी तिथी· ॥ इहंलं
नगयो जीउ न· तोन्हुयासो हुयान· ॥भूगएपु· भूगनाप·
जीह्रु वह प्रेम·साथ ॥ उतोसयघन नगानी· हुस माना
मनासी· ॥खगभूग· कोरहिवो· मुरुकह· प्रेम·मू·
नो· ॥कलह मद परस्पर· नैवन·वासमोन· ॥नरजनन
स्वांयो कोइ्यान गुरु गु·स्वौन· ॥·२ सखुग· यहल·
मं·गु·बुद्ध नानाहु नैन· ॥नोरमन· जनवगू मैनहूपान·
मौन· ॥ज्ञानी भूहु नरुयागु· हाल हुवस्वनीन· ॥

राग· कवालीताल·

हे गुरु आज्ञा विद्या छोक फैला गुनात बौबर हाल· ॥ वैजा
महामूल्य वर्ड गु अवस्था जिमोन· राग आदि वक्सा हु म
लोक· ॥ दक्ष गुरु भोग· सुमरण यानी· दक्ष प्राणी भाव·
सुखबोध यक्र गु· ॥ १ ॥ लोभी· गु क्रान्तु कजन·
अवतार जिमो लेकाल्य म्हय मनि· ॥· ज्ञानतरवाहि ज्ञा
नया·पद· लाय माया करी· यथा बोको लोके ॥ २ सामुगा

श्लोक

थौन दुःखजापाल जगतेँः दुःखतोतः याकने यक नेमाल
येवर्सी ॥ हे गुरु बुद्ध धर्म्म बसीईं गतछमें कीर्ति
बयास रन ॥३॥ बाधा हृ ज्ञानमलातल ह्मान निंया
नादान पुराय याजावं ॥ खकुतेः सत्वप्रानी मे धाका
लायमाल बुद्धरूप यखा याकसां ॥ ४ ॥

ह्माय नानो ह्माय ज्यात तितनातार खुला
ईर्षिर्ला नाताला हृदे बुद्धप्रानी स्वीका
छनेमणँाननः वः ॥ बुद्ध ॥ ह्मापाबाला
जितकुष्मा सत्य धर्म्म बवनु ह्मानः प्री
तीयानानाः ॥ भ गुरवातीमनः पुरयाना
जीतकुष्मानाः ॥१॥ ह्माने जिगु धाल
तवायकाः मकसीत प्रीतीसाका भः औसकु
नुयानाना ~~जिताबुद्धनिजुमकाल~~ हृदलछ्या
मक्षोसाछुलाः औसकु नुयानाना ॥२॥

नारान स्था है

जिनाखुसीजुयम्मातेः रामसुलीजुहो
सुंतनीरोनीहौं ॥ हरेजो नाव कोले
डाकल्सोः जानी तनीन्ही ॥ ३ ॥

रागछतर

खानेजिगकेपीजेने छांवमगमेंमें तेरीभार ॥ धु ॥
॥ छांवमगमेंतेरी यार ॥ धु ॥ प्यारेनजरज
बतुमलेलागर्ज मेंपलीगकेनेचिपुरगये ॥ अग्नी
कैसेजलगये छांवमगमेंतेरीयार ॥ १ ॥
मेंचुपकोचुपकेरोती मुझआसपसि छाती ॥
काछागयेमेरा मातेभोतीबीतानेके सोतीहा
बमगमेंतेरीयार ॥ खानेजि ॥ २ ॥ ॥

राग

नरकालेरससंगरे जनममसयेलहाये ॥ धु ॥ का
शीगया द्वारकाद कोतीनतीरछनाये ॥ बीनीगु
रुकेउपदेसमें मनकीमैलनजाये ॥ तेरा ॥ १ ॥

अगमजतारखायेकेरे अंगबीभूतीरमाये ॥ छापीत

सोरपरजतारखायेबकेरे अंगवीभूतीरमाये॥छापीत
लकतनेमेकोयरे मोक्षकवोनहींपाप॥तेरा॥ २॥
सदारहवनवासमेरे किनोतपूअपार॥ मकोतूसगा
नामीटोरे मिलेनसजनहार॥ तेरा॥ ३॥ तजकेमन
कोभतमारे संतकेकरसेव॥ ब्रह्मानन्दमीताचगा
तेरा भवबन्धनगुरुदेव॥ तेरा॥ ४॥

राग॥ ॥ महारानीवीधालछीमो चौपइ
वातकेहल हूलेगूयापरवतचोसैवास
॥धुं॥

राग तीलकामोद॥ ताल त्रीताला॥ ॥ नीभा
गाकैसेजाउसजनीआ दगा चलतेतेफोलेकाता
तयधां॥ धु॥ ऐसीचीचलनतकानहीमान
तुनाही॥ दगाचूतेफोलेतोकत तोकत॥ १॥
केजमुना॥ जलभरनजाताहीनावीचोमेमलि
कुवाकहेआ॥ २॥

(१.ग.

रे स्यामा मोसा दगर चल त तीहुरायो रे स्यामा
सा. काहे प्रभु दीत्त धर. ता. ये. स्यामा मोसा। ध्रुं
॥ मोर. मकुत. माप हुल. कायो रे. ॥ नैन की
तीरि लगाये स्यामा. मोसा. ॥ १॥ रैन बीसै गो.
ध्यान ती हारा रे. ॥ जीया धार. काहुल गाये स्यामा
मोसो दगर. चल. ॥ २ ॥

राग.

वैदन है सारदा. नमान काहे बोधी सम्पत्त प्रबेश
बल. बीकल सुमती का. हृदय कल. सद्दा. आहे
रत काहे वैदन है सारदा. ॥ ध्रुं ॥ बसन सोसोश
न तु धवल कमल. तुसो भाती अरा. माँता ॥ १.
सीक न भूसन. हृदये बृगासु भाइन. का. वैदन है
सारदा. ॥ १ ॥

[illegible]

सुरुत्घुघु [illegible] ॥ ग ठ य त्य य पा प प्रात अ [illegible]

यानायार्ल क्वेनरे ॥ घु ॥ पल मीर्म पुरखुलि

सू· पले ख्वान [illegible]

पले पुरखुली ह्रि· पाच्वन· पलेया गु ख्वाहा रे ॥

ववयमर्खु· छम मर्खु· ख्वाल्ल नुमा· फूतर ॥१॥

घती कृ [illegible] नापल्ल ग देवनै चुला [illegible] रे·

॥ धी [illegible] प्राय· शाव· डुखरी पाख्वाल ॥२॥

[illegible] वार पा [illegible] वसी· वो नागा नेदे जनाजु [illegible]

[illegible] ॥ गा डोला· लालो कयाधी कु [illegible] प्रा

[illegible] ॥३

श्री

रति और प्रद्युम्न

भगान पाति इच्छदी

पे. कृ देउन और मेडुन ना मुक्तदनर

देखचतु द्रा नेन.

रति

सोजनहलोठ दोगें लरे 2 सवदुःख वेगी हरो

रे. मेरो सवदुःख. वेगी हरो रे मेरो ॥ ॥

रसिनस कोई. तेरा नाम आक आय रेजप

सेगें कृमवहे सवदुःख वेगी हरो रे मेरा ॥१॥

सैमैं इक मन वहे सवकु ज्व अगी हुती र मेरा ॥१॥

दुरि तनसहू ज्ञानकु भगति किये हुवे म हाँ·

गावे काफि

मन को ये बहुत बेहि· विवक ज्ञायो रे हाँ ॥ धु ॥

तन को आई मेरेन धामु बिहारी रे

श्री

राग ।। ।। ताल आधन्चो ताल भनकता ।।
लाँ जसरामरखी ये छो प्रभू म्परी ला ।। सकल
जगतकी पालन हारा ला ।। धु ।। ये छा हे
नीयमधर्म सुखसम्पड सब सुख पायो ।। सी
सब तत्व जो मे भजन करो नरराणायरा। जो पा
रस्की अपार ।। १ ।। हाँ हा फि सरखु सर आली जो
आली नीराळी हम पर है कृपा ।। ताल ।। धुम्रु
ताल आठ चो ताल ।। ।। धा धाँग तुनीति
तीकत गडी गन धा ।। — तालखेम्ता ।।
धारा ध्ये धा नेना तक्र ध्ये धाँ धे ता ता - केत्धा
ताल दोछोरा ।। — धाँते ना ना ता ते धाँग ।। ताते
ध्येना धाँते ना ना ।। धाँते ध्येना ताते नाना

ताल रेला

धाँध्यनक ध्येने तकत ध्यनकध्ये ने धाँतीरकित
टीध्येनक ध्यने ध्यना ध्यतीनी ध्यने नगनग
गनेन तकत ध्येनकध्यन धाँतिरीकिट
टी ध्यनक ध्यने ध्यना ध्यतीनी धान धा —

श्री

अथ तबला भाग ताल

श्री

अथः तबलाया गु. ताल्

कोसीम् कोसीमु पाञ्

ताल. त्रीताला. ताधि धिना. ताधि धिना. ताधि धि

ना. ना तुँ तुँना. मात्रा १६

तीनाँ दिंता ।।।। धागध धि. धिना. धागध धि धिना.

धीधिना तत्तै तकधि धिना. — मात्रा १६

ताल धमार ताला

धागधधि तकधि धागध धि तकधि धागधति

तकति तकधि तकधि — मात्रा १६

ताल. जल्दीनी ताला.

धि. धा. धाँ धि धा. धाति ता. ताधि धा — मात्रा १६

ताल. कहरवा

ताधि नाता नाता धि. १ धा धि नाता नाता धि

२. धाधि. धातुँ ताता. धि. ३ कोसीम

Nepal

Katmandu Raxaul Bazar

चोल्खाहि

चेखोयार दोल्यारा. कासैवीर्ह्यावर

पहरे शर्दोश

सीतैआलेहमेनचोया २॥६॥८ मुमाता
ठक्रे सीभई क र घबर नाहकोजपाभयो.

पहरेडार कै सौभयो मेसुमुडर नै खुसाभि
है

सब·देशकै गाना

हजार वर्ष विहादेखि हामसरी रमाई रहेका
अज्ञानी सर्व दासबन जाँदैछौ ॥ धु ॥ नाल
जी हरू आई जगतको नाई हरूमो छन माहनस
मर बन्धु बनाई जैनी ॥१॥ डाँवला अनाइ·
मैडु ॥चरन॥ वलि

हाँदै स्थितर्व स्लै·प्रीतिले हाँ

होइन सीनि सबैदेखि·हामी

श्रो

तालै·चाचरी·

धाँ धेना· धातेता·—१ धे धेना· धाँ तुना·

धाँ धेनाता· धाँ धां तुना·—

ताल·कवाली·

धां धे धे धातेधे ता ता धे ता कि धे

ताल·चौचर

धा धा धुमकिट ताता धाग धे

ताल·रूपताल

धे

धा धा ताधे ना गे तेतातेना

धे ना धुम ता ते धे धा धे धे ना

ताल·तुकतुकी

धा धा धातेतेत धे धाग

तालधुताल

धाँ धे धाँ ते तेकता·गदीगन·

ताल चौताल

धाँधाँ तुँना · ताता धाँतुँना · तातीकता
धेता मुनो धाँ

ताल रेला

धीना कीरोतक २ धाँती रीकी रोतक २
धेरे धेरे कोरोतक २ ताती रीकी रोतक २

ताल रेला

धीन तक तीना · कोतीतक तातीतक धेरे धेरे
धेरे धेरे · कोतीतक तातीनक · ताताकता
क धाँ · कोतीतक तीनीनक · तकतीनीनक
तक · तीनीनक तीनीनक

ताल रेला

धातीत ... तीत ... तातु ... वाल
... रवती धाँतु

नाहीं नाहीं मैं नाहीं तो हे जानेनईं गा मेहु
री कैहे या तो हे जानेनइंगा
श्रीकृष्ण
हमे जावजे जावजि जावसरवीरी बरजोरी
डोर मुरेना पावगी ॥
१ सरवी

श्री

मायाइ मैं हु प्रति माया ॥ ६ ॥

धाँ तेते धगतेते धाँ धाँ तेते धगतेतेनाते

तेता तेते तुनाकीरीनक्तीरीकीतीति

कतातीरीकीती धाँ ॥

चौताला याग्ज तुकार

धाँ धाँ तेते धाँ धाँ तुना तातातेतेतातुनुना

धाँ धाँ तीतीखतीधाँ ३

काटूकायगू

खतामुती धाँ ३ -१- धाँ धाँतीताखती धाँ ३

२ तुनातितीखती धाँ ३ -२- धाँतीताख

तीतक धाँ ३ -४- क्रांनातुनाकिरानक्

तेरीकाती किरानक्तारी कातीतक

तुनी तकता तेरीकीती

तातेरीकातीधाँ -१- -१- धाँ धाँ तुनी

खतीतक तुनी कातीतकताकातीतकता

कीतीतकता -१- -६- धाँतीमुना धाँ ३

ताल त्रैताला दोहारा

धेतेतक धे धाधेधे धा, धेताधा तक धे

Sahar

धागेतेतेता — ताता

Tala Japtal

Tiliëtse ताल चपताल Gyants

Gyants

धेचाक धेता धे धेता नेक तेनाकता

Ratna ताल देता

तेने २ तक २ धाँतेनीक तीतक तेनाताकि

तयांतधाँ तेती तीतकाती धाँत किटतात

ध तेता तीतीकीती तीकाती धे तेतेतत

की तिका ना ना ना ना ना कीतिक

तीकीतीतकता ती किती धाँ

आयी मब सगायी

खेल रही है बाग चमेली चमक दुहे सु
री ॥ हील मिल

सखीयोंको श्रृंगार गाना

झननन ननन नन छमछम करनूप सजाई सखीय
ने ॥ झुकै ॥ बधाझू भुबमा मुखमुगला बन झु
ननन ननन नन छमछम करनूप सजाई सखीयन
॥ १ ॥ नैनैनकाजल तननन तानन २ मुखके
मल मल मल लगाई ३ ॥ सरके तख लिकदक

लियन कृतन नमर हसन भमरी आवे सखीयन

॥ २ ॥ झनन नन नन नन

लियननननन नर हंसन भमरी आवे सखीयेन ॥२॥ ननननन ननतन — कृष्ण — तननन ठॉन

बॉनकी कंठी मेहा, बनिधान मु खमृगलोचान

आवतो सखी सन नाचो ओ.

हम तुम हीलीमल.

सखी यो विरह

हाये प्रीत की सकोहाने नन.

अप्रेह दीवन नाहीं रहदचि तचैन.

विरह विलासे, सोचरहा है

घेर

घ्पारे न कतेत घ्पारे न क तैनी कोरोनक

नकतेत कोरोनकतैनी नक घ्पारे नक

तेत घ्पारे नक तैनी घ्पारेघ्पारे नकतेत घ्प

रे नकतैनी नक घ्पारे नकतेत घ्पारे नक

तैनी कोरोन कनकतेत कोरोनकतैनी

नक घ्पारे नकतेत घ्पारे नक तैनी

१९।६४।५४।२१

६५
१

९१
१४ न्या
१४ सारप
९२

८१८२
९१

५१८२
६९८

१।५०
१५०

१५१२०

Calcutta

Lalmansing

Ratna mansing
Trava wal wa machhuwa
wa
Mansing Transakar

Bahadur

Kathmandu

कासिनाथी · कुमारीबाहरू

छारा

52 कान बोली भयो · भन्न आयन कोन
आमाबा गुभाई को चौकी को चोलो
मररर का लोग · डवा कुतार
लूनाचो

82 Jrochittria Jaarnayende
Jrinaasadaju Laitravechim
Jrocholora masla Raso
Jaroat श्री Taz Lapranmsing

स्वस्ति श्री गिरिराज चक्र चूडा · मणी · सार नारायनो-
इत्यादि विविध विरुदावली · बीराज · मान मानो
न्नत श्री · म · द · महाराजधिराज श्री प्र त्री भूवन · वीर
बीक्रम साह
स्वस्ति
श्री ·

Lekha...

kansakar keltol masan
galli ta bi sachOnaimha

swasti shri sahu jogabir
sing kansakar keltol
kwachhe

स्वास्ति श्री सर्वोपमा जोग्य इत्यादि सकल गु
ण गराय राजभारा सामर्थ ...

Ratna mansing kansa
kar keltol masangalli
thaha lai basnele
Lekheko shubham

स्वस्ति श्री सर्वोपमा जोग्य इत्यादि सकल गुणगा
रिष्ट राजभारा समर्थ लेख्नु हे ...
शुभम् शुभम् शुभम्

ॐ नमो वागीश्वर्यै — सरस्वतीदेव्यै नमो

नमः सिद्धं अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ

ए ऐ ओ औ अं अः

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ

द ध न प फ ब भ म य र ल व स ष श ह क्ष

त्र ज्ञ

क का कि की कु कू कृ कॄ के कै को कौ कं कः

ख खा खि खी खु खू खृ खॄ खे खै खो खौ खं खः

ग गा गि गी गु गू गृ गॄ गे गै गो गौ गं गः

घ घा घि घी घु घू घृ घॄ घे घै घो घौ घं घः

ङ ङा ङि ङी ङु ङू ङृ ङॄ ङे ङै ङो ङौ ङं ङः

च चा चि ची चु चू चृ चॄ चे चै चो चौ [illegible]

ज जा [illegible]